भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 62

22.07.2024 को उत्तर के लिए

वन आच्छादन की हानि

62. श्री टी. एम. सेल्वागणपति :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में वर्ष 2019 से 2022 के दौरान कृषि भूमि में लगभग 6 मिलियन पेड़ नष्ट हो गए हैं;

(ख) क्या भारतीय वन सर्वेक्षण वनों के आंतरिक क्षेत्र और बाह्य क्षेत्र दोनों जगह वन आच्छादन का नियमित सर्वेक्षण करता है, परंतु प्रत्येक पेड़ के बजाय केवल क्षेत्रफल में परिवर्तन के बारे में डेटा प्रकाशित करता है;

(ग) क्या भारतीय वन सर्वेक्षण की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 2019 की तुलना में 2021 में वन आच्छादन में वृद्धि हुई है;

(घ) क्या भारत का 56% भाग कृषि भूमि और 22% भाग वन भूमि से आच्छादित है; और

(ङ) क्या देश में वन आच्छादन में परिवर्तन को बड़े पैमाने पर नजरअंदाज किया गया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई), देहरादून द्वारा प्रकाशित भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, वर्ष 2019 से 2021 के बीच वनों के बाहर वृक्ष आच्छादन में निवल वृद्धि हुई है।

(ख) एफएसआई, वन आच्छादन के राष्ट्र-व्यापी मानचित्रण और प्रतिदर्श भूखंड आधारित राष्ट्रीय वन सूची के माध्यम से देश के वन संसाधनों का नियमित आकलन करता है। वन आच्छादन के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र और वनों के बाहर वृक्षों के संबंध में प्राप्त परिणाम, आईएसएफआर में प्रकाशित किए जाते हैं।

(ग) से (ङ) आईएसएफआर के अनुसार, वर्ष 2019 में वृक्ष आच्छादन 95,027 वर्ग किलोमीटर था और वर्ष 2021 में यह 95,748 वर्ग किलोमीटर था, जिससे पता चलता है कि वर्ष 2019 से 2021 के बीच वृक्ष आच्छादन में 721 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से प्राप्त सूचना के अनुसार, कृषि भूमि के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र 18,01,120 वर्ग किलोमीटर है। एफएसआई ने अपनी आईएसएफआर 2021 में 7,13,789 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के वन आच्छादित होने की सूचना दी है जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 21.71% है।

****